हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 175 देहरादून, शुक्रवार, 30 दिसंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

रिमोट वोटिंग की सुविधा देने पर काम शुरू किया रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन तैयार 3

राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ-2022 का सीएम धामी ने किया शुभारंभ

31 करोड़ की लागत से बने शूटिंग रेंज का हुआ लोकार्पण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 30 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, रायपुर, देहरादून में राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ-2022 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने 31 करोड़ की लागत से बने शूटिंग रेंज का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राज्य के अन्तरराष्ट्रीय खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को नकद पुरस्कार धनराशि प्रदान की और उन्हें सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित की जाने वाली खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों को भोजन के लिए दी जाने वाली धनराशि 150 रूपये से बढ़ाकर 225 रूपये की जायेगी। न्याय पंचायत स्तर पर आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को क्रमशः 300 रूपये, 200 रूपये एवं 150 रूपये की धनराशि दी जायेगी। विकासखण्ड स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः 500 रूपये, 400 रूपये एवं 300 रूपये की धनराशि दी जायेगी, जो पहले क्रमशः 300 रूपये, 200 रूपये एवं 150 रूपये थी। जनपद स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः 800 रूपये, 600 रूपये एवं 400 रूपये की धनराशि दी जायेगी, जो पहले क्रमशः 700 रूपये, 500 रूपये एवं 300 रूपये थी। राज्य स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः 1500 रूपये, 1000 रूपये एवं 700 रूपये की धनराशि दी जायेगी, जो पहले क्रमशः 1000 रूपये, 600 रूपये एवं 400 रूपये थी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य स्तर पर आयोजित होने वाला यह खेल महाकुंभ उत्तराखण्ड के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगा। पहले पंचायत स्तर पर फिर ब्लॉक स्तर पर फिर जिला स्तर पर खेलने के पश्चात खिलाड़ी यहां पर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह गौरव का विषय है कि इस खेल महाकुंभ में हमारे प्रदेश की बेटियां भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि यह युवाओं की प्रतिभा का ही कमाल है कि, आज विश्व पटल पर नए भारत का मान बढ़ रहा है। आज हमारे युवा खिलाड़ियों द्वारा विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के सामर्थ्य का परिचय कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस खेल महाकुंभ का उद्देश्य खिलाड़ियों को आगामी 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए भी तैयार करना है। 38वें राष्ट्रीय खेल की मेजबानी उत्तराखण्ड करेगा।

जिससे राज्य के युवाओं को अपनी प्रतिभा को दिखाने का मौका मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार उत्तराखंड को "सर्वश्रेष्ठ उत्तराखण्ड" बनाने हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। राज्य सरकार सरकार युवाओं को बेहतर शिक्षा और बेहतर खेल सुविधायें प्रदान करने के लिए कृतसंकल्पित है। उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य है जिसने जहां एक ओर नई शिक्षा नीति को प्रभावकारी ढंग से लागू करने का काम किया है, वहीं दूसरी ओर नई खेल नीति बनाकर अपने युवा खिलाड़ियों का भी ध्यान रखने का कार्य किया है। नई खेल नीति में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयास किये गये हैं। खिलाड़ियों के लिए नौकरियों में खेल कोटा भी पुनः प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस खेल महाकुंभ में प्रतिभाग कर रहे हमारे युवा खिलाड़ी भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखण्ड व देश का नाम रोशन करेंगे।

खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि अब समाज में खेल एवं खिलाड़ियों के प्रति सोच में बड़ा परिवर्तन हुआ है। खेलों से भी उपलब्धि हांसिल की जा सकती है, जैसे शिक्षा के माध्यम से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में खेलों को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है। न्याय पंचायत स्तर से राज्य स्तर तक खेल प्रतिभाओं को आगे लाया जा रहा है। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट खिलाड़ी उन्नयन योजना से खिलाड़ी लाभान्वित हो रहे हैं। 2024 में उत्तराखण्ड में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारी तेजी से चल रही है।

नए साल पर बढ़ेगी परेशानी, जानिए मौसम विभाग का अनुमान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 दिसंबर , पिछले कुछ दिनों से कड़ाके की ठंड का प्रकोप झेल रहे उत्तर भारत को आने वाले दिनों में कुछ राहत मिलने का आसार है। दिल्ली एनसीआर में आज मौसम सुबह से ही साफ है। बुधवार को भी एनसीआर के ज्यादातर इलाकों में कोहरे नहीं था और सुबह से ही धूप खिली हुई थी। हालांकि मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि 31 दिसंबर से उत्तर भारत में फिर से कोहरा लौटेगा और लोगों को शीतलहर का सामना करना होगा।

मौसम विभाग के अनुमान (IMD Weather Prediction) के मुताबिक, अगले 48 घंटों में उत्तराखंड, पंजाब और बिहार के कई इलाकों में घना कोहरा होने के अनुमान है। इसके 30 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में घना कोहरा पड़ने का अनुमान है। मौसम विभाग ने 29 और 30 दिसंबर के लिए अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर और त्रिपुरा में भी घना कोहरा छाने के अनुमान है।दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड समेत विभिन्न राज्यों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। घने कोहरे के साथ शीतलहर ने लोगों की परेशानी बढ़ाई हुई है। इस बीच दिल्ली में सोमवार को तापमान धर्मशाला (Dharamshala) और देहरादून (Dehradun) से भी ज्यादा कम दर्ज किया गया।दिल्ली के सफदरजंग में अधिकतम तापमान 15.6 और न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, धर्मशाला का अधिकतम औ न्यूनतम तापमान 18 एवं 5.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जबकि देहरादून का तापमन 23.2 और 7.8 रिकॉर्ड किया गया। मंगलवार की सुबह की शुरुआत भी घने कोहरे (Dense Fog) और शीतलहर (Cold Waves) के साथ हुई। दिल्ली में सुबह न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड दर्ज किया गया।

नए साल में देश को मिल सकती है पहली डिजिटल युनिवर्सिटी

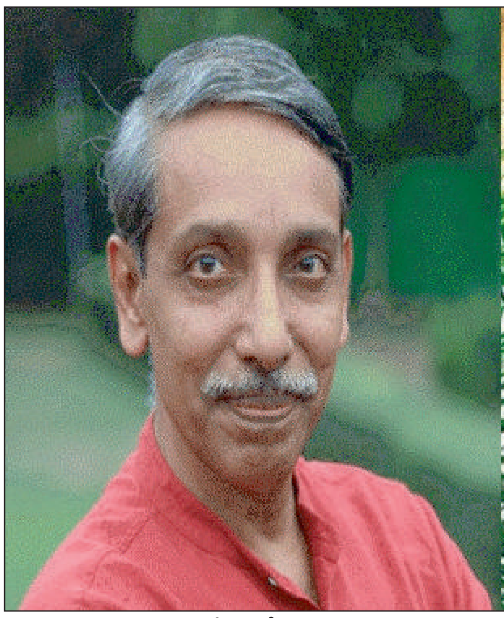

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 दिसंबर , यूजीसी के अध्यक्ष एम. जगदीश कुमार ने मीडिया से बात करते हुए बड़ी खुशखबरी दी है। उन्होंने कहा है कि देश के सभी विश्वविद्यालय और शिक्षण संस्थान डिजिटल विश्वविद्यालय के सहयोगी के रूप में काम करेंगे।

उन्होंने बताया कि डिजिटल विश्वविद्यालय में विद्यार्थी आनलाइन दाखिला लेगा, वह आनलाइन 'स्वयं' व अन्य माध्यम से पढ़ाई करेगा और फिर आनलाइन ही परीक्षा देगा।यूजीसी अध्यक्ष ने 2023 में उच्च शिक्षा में होने वाले बदलाव के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नए साल में देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय उच्च शिक्षा योग्यता ढांचा (एनएचईक्यूएफ) लागू किया जाएगा। यह उच्च शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण को आसान बनाने के लिए विकास, वर्गीकरण और योग्यता की मान्यता के लिए एक साधन होगा।यह नियोक्ताओं सहित सभी हितधारकों को सीखने के अपेक्षित परिणामों की प्रकृति व स्तर को समझने और परिभाषित करने में मदद करता है। कुमार के मुताबिक अगले साल राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचा (एनसीएफ) भी लागू किया जाएगा। इसके माध्यम से स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा और अनुभवनात्मक अधिगम के क्रेडिट का एकीकरण होगा।यूजीसी अध्यक्ष के मुताबिक 2023 में विदेशी संस्थानों को भारत में अपने परिसर खोलने की इजाजत दी जा सकती है। इससे भारतीय विद्यार्थियों को कम दामों में विदेशी शिक्षा अपने देश में ही मिल जाएगी। इसके अलावा भारतीय संस्थानों को भी विदेश में अपने परिसर खोलने की मंजूरी दी जा सकती है। ऐसा करके ये संस्थान भारतीय शिक्षा को अन्य देशों तक पहुंचाने का काम करेंगे।इसी क्रम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) दिल्ली भी जल्द ही आबूधाबी में अपना परिसर खोल सकता है। कुमार के मुताबिक अगले साल हम भारतीय ज्ञान परंपरा को उच्च शिक्षा में शामिल करेंगे। इससे देश के प्राचीन ज्ञान को युवाओं तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। हमारे प्राचीन ग्रंथों में हर क्षेत्र का ज्ञान मौजूद है और इसे भारतीय युवाओं तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। अगले साल निजी विश्वविद्यालय नियमन में भी बदलाव संभव है।

UPI से गलत जगह पैसा हो गया ट्रांसफर तो फॉलो करें ये प्रोसेस

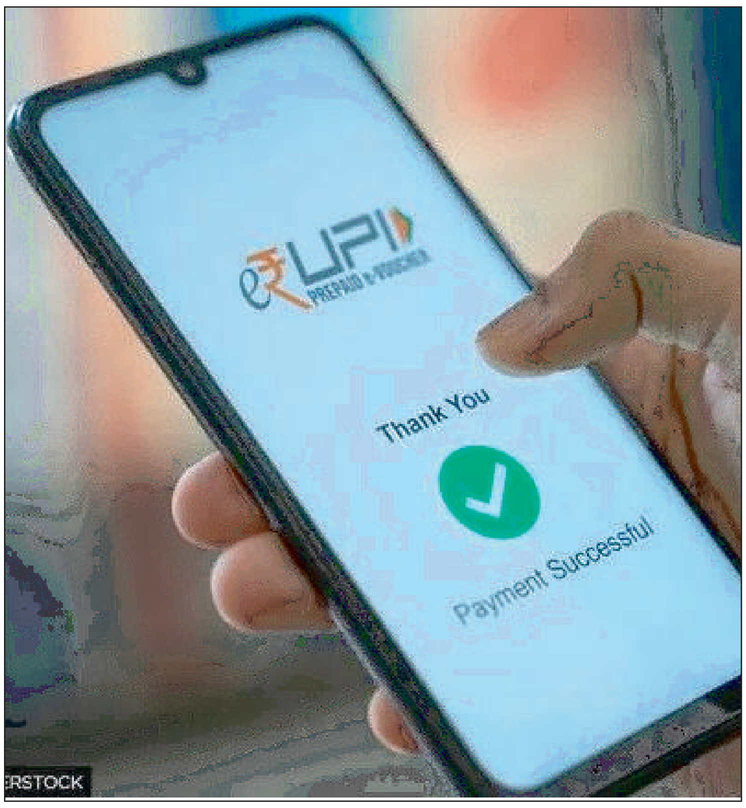

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 दिसंबर , Paytm, गूगल पे या और दूसरे UPI ने हमारे जीवन को आसान बना दिया है. आप मोबाइल नंबर के जरिए या क्यूआर कोड स्कैन करके आसानी से एक बैंक से दूसरे बैंक में पैसे भेज सकते हैं. लेकिन क्या होगा अगर आप गलती से किसी गलत मोबाइल नंबर पर पैसे भेज दें या धोखाधड़ी वाले क्यूआर कोड को स्कैन कर लें? पर अब आपको इसके लिए इतनी चिंता नहीं करनी है. इन स्टेप्स को फॉलो करके आप अपने पैसे वापस पा सकते हैं.

गलत अकाउंट में पैसे ट्रांसफर होने पर ऐसे पाएं रिफंड गलत अकाउंट में पैसे ट्रांसफर होने पर ऐसे पाएं रिफंडगलत अकाउंट में पैसे ट्रांसफर हो जाने पर सबसे पहले अपने बैंक को मेल करें. इस तरह के ज्यादातर मामले मेल करने से ही सॉल्व हो जाते हैं.लेकिन मेल करने के बाद भी आपकी प्रॉब्लम सॉल्व नहीं होती है तो आपको खुद बैंक ब्रांच जाना पड़ेगा.साथ में अपने कुछ जरूरी डॉक्यूमेंट्स भी लेकर जाएं. ये डॉक्यूमेंट्स आपको बैंक में जमा कराने होंगे.ये करने के बाद बैंक मैनेजर का रिप्लाई आ जाएगा और बैंक में आपके पैसे रिफंड हो जाएंगे.

RBI 7 से 15 दिन के बीच में करेगी पैसा रिफंड

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) की गाइडलाइन के अनुसार, अगर आप ने गलत अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर दिए हैं तो बैंक में इस पूरे मामले की कंप्लेंट कर सकते हैं. बैंक आपके कंप्लेंट करने के हफ्ते या 15 दिन के अंतराल में पैसे आपके अकाउंट में रिफंड कर देता है. मतलब जिस अकाउंट से पैसे कटें हैं उसी में वापिस भी आ जाते हैं. RBI की गाइडलाइन के मुताबिक, अगर आपकी तरफ से भेजे गए पैसों को कोई खर्च कर देता है या इसके अलावा किसी दूसरे अकाउंट में ट्रांसफर कर देता हैं तो इस स्थिति में भी RBI बैंक आपको रिफंड दे देगा. ऐसे में पैसे खर्च कर देने वाले व्यक्ति के बैलेंस को निगेटिव कर दिया जाएगा.

रिमोट वोटिंग की सुविधा देने पर काम शुरू किया रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन तैयार

प्रवासी मतदाताओं को देश में कहीं से भी अपने गृह/मूल निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदान करना संभव होगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 दिसंबर , भारत निर्वाचन आयोग ने अपने गृह नगर से देश में अन्यत्र बसे नागरिकों को रिमोट वोटिंग की सुविधा देने पर काम शुरू किया है। इसके लिए आयोग ने प्रोटोटाइप रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (आरवीएम) विकसित की है। इससे प्रवासी मतदाताओं को देश में कहीं से भी अपने गृह/मूल निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतदान करना संभव होगा। आयोग ने बहु-निर्वाचन क्षेत्र प्रोटोटाइप रिमोट ईवीएम की कार्यप्रणाली का प्रदर्शन करने के लिए सभी मान्यताप्राप्त 08 राष्ट्रीय और 57 राज्यीय दलों को आमंत्रित किया है। इस अवसर पर आयोग की तकनीकी विशेषज्ञ समिति के सदस्य भी उपस्थित रहेंगे। आयोग ने अपेक्षित विधिक परिवर्तनों, प्रशासनिक प्रक्रियाओं मैं परिवर्तनों और घरेलू प्रवासी मतदाताओं के लिए मतदान की पद्धति/आरवीएम/प्रौद्योगिकी, यदि कोई हो, सहित विभिन्न संबंधित मामलों पर मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों से 31.01.2023 तक लिखित मंतव्य देने का भी अनुरोध किया है। विभिन्न हितधारकों से प्राप्त फीडबैक और प्रोटोटाइप के प्रदर्शन के आधार पर आयोग रिमोट मतदान पद्धति को क्रियान्वित करने की प्रक्रिया को उपयुक्त तरीके से आगे ले जाएगा।

लाखों प्रवासी उत्तराखण्डी भी रहते हैं राज्य से बाहर

गौरतलब है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालने के तुरंत बाद, राजीव कुमार उत्तराखण्ड के चमोली जिले के दुमक गांव के दूरस्थ मतदान केंद्र की अपनी पैदल यात्रा (ट्रैकिंग) से प्रवासी नागरिकों की समस्या से सीधे रूबरू हुए थे। उन्होंने इस बात की आवश्यकता बताई थी कि प्रवासी मतदाताओं को निवास के उनके वर्तमान स्थान से ही मताधिकार का प्रयोग करने में सक्षम बनाया जाना चाहिए।भारत निर्वाचन आयोग द्वारा रिमोट वोटिंग पर व्यापक मंथन प्रारम्भ किया गया है। इस तरह के सशक्तिकरण को कार्यान्वित करने के लिए कानूनी, वैधानिक, प्रशासनिक और प्रौद्योगिकीय पहल की जरूरत है। आयोग की टीम ने सभी सामाजिक-आर्थिक स्तरों पर प्रवासियों की चुनावी भागीदारी को संभव बनाने के लिए सर्वसमावेशी समाधान ढूंढने और मतदान करने की वैकल्पिक पद्धतियाँ जैसे कि दो-तरफा प्रत्यक्ष ट्रांजिट पोस्टल बैलट, परोक्षी (प्रॉक्सी) मतदान, विशेष समय पूर्व मतदान केंद्रों में जल्दी मतदान, डाक मतपत्रों का एकतरफा या दोतरफा इलेक्ट्रॉनिक प्रेषण (ईटीपीबीएस), इंटरनेट आधारित मतदान प्रणाली आदि सभी विकल्पों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।सभी हितधारकों के लिए विश्वसनीय, सुगम और स्वीकार्य प्रौद्योगिकीय समाधान की तलाश करने के उद्देश्य से निर्वाचन आयुक्त अनूप चन्द्र पाण्डेय आयोग और निर्वाचन आयुक्त अरुण गोयल के साथ मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार की अध्यक्षता में आयोग ने घरेलू प्रवासी मतदाताओं के लिए रिमोट मतदान केंद्रों से मतदान करने में सक्षम करने के लिए समय की कसौटी पर खरे उतरे एम-3 ईवीएम मॉडल के संशोधित संस्करण का उपयोग करने का विकल्प ढूंढा है। इस तरह प्रवासी मतदाता को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए वापस अपने गृह जिले की यात्रा करने की जरूरत नहीं होगी।*उत्तराखण्ड के संदर्भ में इसका विशेष महत्व हो सकता है। यहां के लाखों लोग रोजगार, व्यवसाय, शिक्षा आदि कारणों से देश के विभिन्न हिस्सों में रहते हैं। रिमोट वोटिंग होने पर वे अपने गृह क्षेत्र के लिये मतदान कर सकेगे और वहां के विकास प्रक्रिया में भागीदारी कर सकेंगे।

एमडीडीए की 105 वी बोर्ड बैठक में हुए कई बड़े निर्णय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 दिसंबर , देहरादून में एमडीडीए कार्यालय में प्राधिकरण की 105 वी बोर्ड बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता आयुक्त गढ़वाल मंडल तथा अध्यक्ष मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण सुशील कुमार ने की।

बैठक में अन्य उपस्थिति उपाध्यक्ष मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण सोनिका सिंह सचिव विकास प्राधिकरण मोहन सिंह बर्निया संयुक्त सचिव रजा अब्बास मुख्य नगर एवं ग्रामीण नियोजक उत्तराखंड एस एम श्रीवास्तव तथा अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।बैठक में मुख्य रूप से देहरादून महायोजना 2041 का प्रस्तुतिकरण कार्यदायी संस्था एवं सी टी सी पी द्वारा किया गया । सदस्यों द्वारा पर्यावरण / यातायात एवं टूरिज्म को देखते हुए ब्यवस्था किये जाने संबंधी सुझाव दिए गए । इस मास्टर प्लान जी आई एस पर आधारित है तथा सभी निर्माणों को मास्टर प्लान में समाहित किया गया है । प्राधिकरण द्वारा जी आई एस पोर्टल पर मास्टर प्लान को रखा जाएगा , तथा किसी भी स्थान का भू उपयोग प्राप्त किया जा सकेगा । आवश्यक संशोधन के साथ पुनः आगामी बोर्ड में प्रस्तुत किये जाने के निर्देश दिए गए इसके अतिरिक्त कुछ प्रस्ताव भी मानचित्र स्वीकृति से संबंधित रखे गए थे जिन पर पुनः निरीक्षण कर आगामी बोर्ड बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

नगर निगम चुनाव जीतने का मास्टर प्लान बना रहे आप उपाध्यक्ष आर पी रतूड़ी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 दिसंबर ,प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नगर निगम सर्च कमेटी के इंचार्ज आर पी रतूड़ी की अध्यक्षता मे आगामी 2023 नगर निगम चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें देहरादून विधानसभा अध्यक्ष एव वार्ड के कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक को प्रदेश समन्वयक जोत सिंह बिष्ट ने संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले नगर निगम के चुनाव में प्रत्येक कार्यकर्ता की अहम भूमिका होगी। देहरादून एवं सभी निगमों में आम आदमी पार्टी चुनाव में भागीदारी करेगी । उत्तराखंड के ज्वलंत मुद्दों को उठाकर नगर निगम की विभिन्न मलिन बस्तियों में रह रहे लोगों की आवाज सरकार तक पहुंचाने का काम प्रत्येक कार्यकर्ता करेगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह आम आदमी पार्टी की पंजाब में सरकार है। दिल्ली में खुद पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की सरकार एवं नगर निकाय के पार्षदों के साथ मिलकर एक बेहतर इंडिया नंबर वन मॉडल बनाने का काम कर रहे हैं , ठीक उसी तरह से उत्तराखंड को भी एक नए आयाम तक पहुंचाने का काम आम आदमी पार्टी अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में करेगी। सरकार की विफलताओं को और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर जनता के सुझाव एवं नगर निगम को और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है इस पर पार्टी मुद्दों और तथ्यों के आधार पर काम करेगी। महंगाई ,बेरोजगारी ,पलायन के अलावा उत्तराखंड के अंदर सड़क ,नाली ,बिजली, पानी ,स्वास्थ्य ,सेवाओं में भी बेहतरीन हो सके इसके लिए भी जन जागरण अभियान चला कर जागरूक करेंगे ।बैठक में देहरादून के सह प्रभारी अमित कुमार, उमा सिसोदिया, कमलेश रमन, नितिन जोशी ,, राधा सिंह, सुधा पटवाल, सीपी सिंह, रेहाना परवीन, बलवंत पवार ,विपिन नेगी, अशोक सेमवाल ,नासिर खान, डॉक्टर शोएब अंसारी, सुशील सैनी, हरकिशन सिंह जगदीश कांडपाल आदि मौजूद रहे। कमलेश रमन प्रदेश प्रवक्ता आम आदमी पार्टी उत्तराखंड

जारी हुई सीबीएसई 10वीं 12वीं बोर्ड परीक्षा की डेटशीट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 दिसंबर , केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने इंटरमीडिएट एग्जाम 2023 की डेटशीट जारी कर दी है। इसी के साथ सीबीएसई डेटशीट का इंतजार खत्म हो चुका है। स्टूडेंट्स सीबीएसई बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट से डेटशीट डाउनलोड कर सकते हैं।

सीबीएसई ने हाल ही में प्रैक्टिकल परीक्षा की तारीख भी घोषित की थी, जिसके अनुसार 10वीं और 12वीं कक्षा के लिए प्रैक्टिकल परीक्षा 2 जनवरी 2023 से आयोजित की जाएगी। सीबीएसई ने अपने आधिकारिक वेबसाइट पर अलग अलग विषयों के लिए सैंपल पेपर भी जारी किया है। स्टूडेंट्स इसकी मदद से समय रहते परीक्षा की अच्छी तैयारी कर सकते हैं।

वैसे तो 10वीं बोर्ड की परीक्षा 15 फरवरी से परीक्षा शूरू हो रही है, लेकिन मुख्य परीक्षा 27 फरवरी से होंगी ।जबकि 12वीं बोर्ड की परीक्षा भी 15 फरवरी से शुरू हो रही है लेकिन मुख्य परीक्षा 20 फरवरी से शुरू होगी।

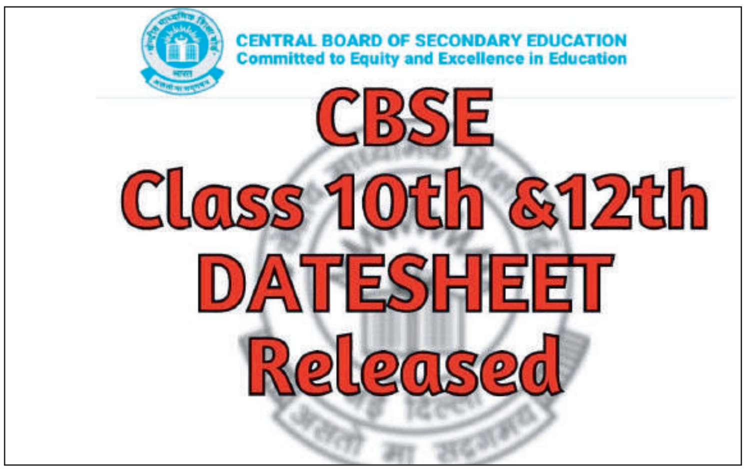

एक बार होगी परीक्षा

पिछले साल सीबीएसई 12वीं की परीक्षा दो टर्म में आयोजित की गई थी। टर्म 1 परीक्षा दिसंबर में हुई थी, जबकि सीबीएसई 12वीं के दूसरे टर्म की परीक्षा 26 अप्रैल से 2022 से शुरू की गई थी। हालांकि, इस साल परीक्षा का आयोजन केवल एक बार ही किया जाएगा।

एडमिट कार्ड भी जल्द

सीबीएसई12वीं एग्जाम के लिए एडमिट कार्ड जनवरी में जारी किया जा सकता है। हालांकि, इस संबंध में अभी तक बोर्ड की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। स्टूडेंट्स को सलाह दी जाती है कि सीबीएसई 12वीं परीक्षा 2023 से जुडे.लेटेस्ट अपडेट्स के लिए बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर चेक करते रहें। न्यूज़ वायरस ।से अपील करता है कि किसी भी अन्य फर्जी वेबसाइट पर भरोसा न करें।

क्या आप भी खाते हैं हरी सब्जियां मिलते हैं फायदे ही फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 दिसंबर , हमारे देश में हृदय रोगियों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। युवा भी हार्ट अटैक से मर रहे हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि स्वस्थ आहार से हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है। खासकर हरी सब्जियां। कई अध्ययनों के अनुसार नियमित रूप से हरी सब्जियां खाने से हृदय रोग जैसी कई पुरानी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है ।हरी सब्जियां वजन घटाने और दिल की सेहत के लिए अच्छी होती हैं। क्योंकि इनमें कैलोरी बहुत कम होती है। इनमें फाइबर की मात्रा भरपूर होती है। ये आपके पेट को अधिक समय तक भरा रखने में मदद करते हैं। लेट्यूस, पालक, ब्रोकली, फूलगोभी, केल और गोभी जैसी सब्जियाँ हमारे स्वास्थ्य के लिए उतनी अच्छी नहीं होती हैं।

पत्तीदार शाक भाजी

ये साग हमारे शरीर को आवश्यक खनिज और विटामिन प्रदान करते हैं। शोध से पता चलता है कि हरी सब्जियों में पोषक तत्व भी होते हैं जो रोग को रोकते हैं और शरीर की प्रक्रियाओं का समर्थन करते हैं। कई अध्ययनों से पता चलता है कि हरी सब्जियों में मौजूद ग्लूकोसाइनोलेट्स में शक्तिशाली जलनरोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। ये हमारी कोशिकाओं को बीमारियों से बचाते हैं। पत्तेदार सब्जियां प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और खनिजों से भरपूर होती हैं ।न्यू एडिथ कोवान यूनिवर्सिटी (ईसीयू) के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि नाइट्रेट युक्त सब्जियों का दैनिक सेवन हृदय रोग के जोखिम को काफी कम कर सकता है। हरी सब्जियां विटामिन, खनिज और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होती हैं। ये अच्छे वसा कई जैविक प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक हैं, जैसे संज्ञानात्मक स्वास्थ्य को बनाए रखना, मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करना और अल्जाइमर जैसी बीमारियों के जोखिम को कम करना ।शोधकर्ताओं ने पाया है कि हरी सब्जियों का पोषण मूल्य मधुमेह, अस्थमा और अल्जाइमर रोग जैसी पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है। कई अध्ययनों के अनुसार, इन सब्जियों में मौजूद पौधे आधारित तत्वों में जीवाणुरोधी गुण होते हैं। वे प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं।

हरे पत्ते वाली सब्जियां

शोधों के अनुसार रोजाना 30 ग्राम फाइबर लेने से मधुमेह और मोटापे का खतरा कम होता है। साथ ही यह आपको तेजी से वजन कम करने में मदद करता है। फलों और सब्जियों से भरपूर आहार हृदय रोग के जोखिम को कम कर सकता है। इनमें मौजूद ग्लूकोसाइनोलेट्स एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं। जब आपके कोलेस्ट्रॉल का स्तर नियंत्रण में होता है, तो धमनियों में फैटी जमा हो जाता है जिससे हृदय की समस्याएं और स्ट्रोक से बचा जा सकता है।

पत्तीदार शाक भाजी

पत्तेदार साग ग्लूकोसाइनोलेट्स नामक पदार्थों से भरपूर होता है। ये कैंसर से लड़ने में मदद करते हैं। कई अध्ययनों से पता चला है कि पत्तेदार सब्जियां खाने से कई प्रकार के कैंसर, विशेष रूप से स्तन, अग्न्याशय, मूत्राशय, फेफड़े, प्रोस्टेट और पेट के कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है। इनमें से कुछ एंजाइम कोशिकाओं को डीएनए क्षति को रोकने में मदद करते हैं।

आँखें पढ़ने में महिलाएं पुरुषों से आगे, स्टडी का दावा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 दिसंबर , महिलाएं आंखों से देखकर किसी व्यक्ति के विचारों और भावनाओं को पढ़ने की क्षमता पुरुषों की तुलना में ज्यादा रखती हैं ।यह जानकारी एक शोध में सामने आई है। इस शोध में भारत की महिलाओं को भी शामिल किया गया था ।सामने वाला क्या सोच रहा है या उसके अंदर क्या भावना चल रही हैं, इसे महिलाएं आंखों से पढ़ लेती हैं। हालांकि पुरुष भी ऐसा करते हैं, लेकिन स्कोरिंग के लेबल पर महिलाएं आगे हैं। एक स्टडी के अनुसार दुनिया भर में महिलाएं आंखों को पढ़कर विचारों या भावनाओं का आकलन करने में पुरुषों की तुलना में बेहतर हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि पहली बार महिलाओं को संज्ञानात्मक सहानुभूति (cognitive empathy) का लाभ मिलता है ।अध्ययन में भारत सहित 57 देशों को शामिल किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि सभी उम्र और अधिकांश देशों में महिलाओं ने ₹रीडिंग द माइंड इन द आइज़₹ नामक एक परीक्षण में औसतन पुरुषों की तुलना में अधिक स्कोर किया। टेस्ट संज्ञानात्मक सहानुभूति को मापता है, जिसका मतलब होता है एक व्यक्ति की भावनाओं या दूसरे की भावनाओं को समझने की क्षमता।

ऐसे किया गया शोध

कैंब्रिज विश्वविद्यालय के मनोचिकित्सा विभाग के अध्ययन के प्रमुख लेखक डेविड ग्रीनबर्ग ने कहा कि Cognitive empathy दशकों से मनोविज्ञान अनुसंधान का एक विषय है। यह बचपन से शुरू होता है और बुढ़ापे तक बनी रहती है। यह खुद को किसी और की जगह रखने की क्षमता होती है। मतलब सामने वाला क्या सोच रहा है और क्या महसूस कर रहा हैं। पिछले कयी स्टडीज में महिलाओं ने Cognitive empathy को मापने के लिए डिजाइन किए गए परीक्षणों पर पुरुषों की तुलना में अधिक स्कोरिंग करके दिखाया है। स्टडी में शोध में शामिल हर प्रतिभागी के आंखों के चारो ओर मानव चेहरे क्षेत्र के 36 चित्र दिखाए गए और यह बताने के लिए कहा जाता है कि व्यक्ति क्या महसूस कर रहा है।

इतने लोगों को किया गया शामिल

यह अबतक का सबसे बड़ा अध्ययन हैं। इज़राइल, इटली, स्विटज़रलैंड, यूके और यूएस इस शोध में शामिल हुआ। इसमें स्टडी में 305,700 से अधिक प्रतिभागियों को शामिल किया गया है, और पाया है कि महिलाओं ने औसतन 36 देशों में पुरुषों की तुलना में काफी अधिक स्कोर किया और 21 में पुरुषों के समान देशों।

16 से 70 साल के लोगों को किया गया शामिल

ग्रीनबर्ग ने कहा कि परीक्षण में 36 आंखों के एक सेट की तस्वीरों को देखना और चार विशिष्ट भावनाओं को प्रत्येक को असाइन करना शामिल है। जिसमेंअहंकारी/कृतज्ञ /व्यंग्यात्मक/अस्थायी (अनिश्चित)/निर्णायक/ प्रफुल्लित/भयभीत/ऊब शामिल है। किसी भी देश में पुरुषों ने, औसतन, महिलाओं की तुलना में उल्लेखनीय रूप से अधिक स्कोर नहीं किया ।अध्ययन ने 16 वर्ष से 70 वर्ष तक की विभिन्न आयु में संज्ञानात्मक सहानुभूति में महिलाओं के आगे होने की पुष्टि की।

सामाजिक और बायोलॉजिकल कारण भी अंतर का हो सकता है

वैज्ञानिकों ने पहले अनुमान लगाया था कि संज्ञानात्मक सहानुभूति में लिंग अंतर बायोलॉजिकल या सामाजिक कारकों का परिणाम हो सकता है। उदाहरण के लिए, 2011 में पहले अध्ययन में, बैरन-कोहेन और उनके सहयोगियों ने दिखाया था कि अतिरिक्त टेस्टोस्टेरोन सहानुभूति को कम करता है। कैंब्रिज विश्वविद्यालय में टीम के एक अन्य सदस्य कैरी एलीसन ने कहा कि नए परिणाम स्पष्ट रूप से देशों, भाषाओं और उम्र के बीच लिंग अंतर को प्रदर्शित करते हैं। यह उन सामाजिक या बायोलॉजिकल कारकों पर भविष्य के शोध के लिए प्रश्न उठता है जो इन अवलोकनों में योगदान दे सकते हैं।

पुलिस में तहरीर दो और उधारी से बचो, वाह क्या क्या हथकंडे है उधारी न चुकाने के ?

रुपया पैसा दान में तो दे देना लेकिन उधार देने से पहले सोच ज़रूर लेना, कही दुश्मन तो पैदा नहीं कर रहे?

ब्यूरो रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आजकल एक नया सिलसिला शुरू हुआ हुआ है देहरादून में,आपने जिसे भी मोटी या छोटी रकम उधार दी है और आप उससे वापस मांग रहे है या तकादा कर रहे है तो उधार लेने वाला व्यक्ति पास की पुलिस चौकी या थाने में सेटिंग करके उधार देने वाले के खिलाफ़ एक तहरीर देता है कि उसको जान से मारने की धमकी दी गई है,उसकी जान को खतरा है,उसकी सुरक्षा की जाए,फिर क्या,फिर शुरू होता है गेटिंग सेटिंग का खेल,यानी अब पुलिस के निशाने पर होता है उधार देने वाला शख्स जिसे पुलिस थाने बुलाती है,धमकाती है,कभी कभी लॉकअप में भी बैठा लेती है,हिरासत में रख लेती है,अब बेचारा उधार देने वाला शख्स अपना पीछा छुड़ाने के लिए कॉम्प्रोमाइज के जाल में फंस जाता है,फिर क्या उधार लेने वाला शहंशाह और पुलिस के सेटिंगबाज की ऐश,बेचारा मरता क्या ना करता, उधार भी दिया,फजीहत भी कराई,पैसा भी मरवाया, वाह भाई वाह।

पुरानी कहावत है उधार दो और अपने संबंध भी खराब कर लो। सत्य बात है ।पुराना नही नया समय भी इस कहावत को चरितार्थ करता नजर आता है। आजकल बहुत से मामले उधार लेनदेन से संबंधित दिखाई और सुनाई पड़ते है। मामला बिगड़ता है तो पुलिस तक जाने की नोबत आती है। आये दिन पुलिस के पास ऐसे मामले पहुंचना आम बात हो गयी है । अब पुलिस कानून व्यवस्था संभाले या आपके लेनदेन की सुरक्षा और वसूली ।लेकिन ठहरिए पुलिस के पास जाने से पहले यह सुनिश्चित कर ले कि क्या पुलिस ऐसे मामलों में वाकई आपकी मदद कर सकती है? अधिकतर मामलों में मौखिक लेनदेन के कारण पुलिस का कानूनी हस्तक्षेप संभव नही होता। फिर भी व्यक्ति इस आशा के साथ पुलिस के पास पहुंचता है कि पुलिस के दबाव के कारण उसका उधार दिया धन वापस आ जायेगा। इसके लिये व्यक्ति प्रलोभन का सहारा लेने से भी नही चूकता। किसी भी प्रकार का वसूली का दबाव बढ़ने पर उधारदाताओं से पहले कर्जदार पुलिस के पास पहुंचकर उधारदाता के विरुद्ध प्रताड़ना करने के लिये पुलिस रिपोर्ट लिखा देता है। बस यहीं से पुलिस की विवशता और बंदर बांट का खेल आरंभ हो जाता है। सबूतों के अभाव में पुलिस उधारदाताओं की मदद तो नहीं कर पाती हां रिपोर्ट होने पर उल्टे उधारदाता के खिलाफ कार्यवाही को विवश हो जाती है। बेचारा उधारदाता तब अपने आप को ठगा सा महसूस करता है। उसके लिये अपनी उधारी वसूल करना तो दूर, अपना पीछा छुड़ाना भी मुश्किल प्रतीत होता है। पुलिस पर प्रतिवादी से मिलीभगत के आरोप लगने लगते हैं। लेकिन जरा ठहरिए जनाब आरोप प्रत्यारोप से पहले अपनी गलतियों का एहसास कीजिये ।व्यक्ति किसी दूसरे को उधार किसी न किसी कारण से देता है।

1 किसी मिलनेवाले मित्र, रिश्तेदार की मदद करने के लिये।

2 अपने दिए उधार पर ब्याज कमाने के लिये या अन्य किसी परलोभनवश।

अब यदि आप इतने दयालु हैं कि किसी की मदद करना चाहते हैं तो या तो मदद समझकर और यह सोचकर दीजिये कि वह धन वापस आने में कठिनाई हो सकती है। यदि आप दान रूपी मदद नहीं कर सकते तो महान बनने का नाटक छोड़ दें और कागजी कार्यवाही दुरुस्त करने के पश्चात ही धन उधार दें। यह भी ध्यान रखें कि कल कानूनी कार्यवाही करते समय आपको दिए गए धन के श्रोत की जानकारी भी देनी पड़ सकती है। यही नही आपको लेनदेन करते समय आयकर विभाग और सरकार द्वारा निश्चित नियमों का पालन भी करना होता है। यदि आप ऐसा करने में विफल रहते हैं तो कानून भी आपकी मदद करने में असफल रहता है। उस स्थिति में आप अपने दिए धन को दान मानकर शांत रहेंगे तो आपकी सेहत के लिये अच्छा रहेगा।

दूसरी स्थिति जहां आप किसी ब्याज अथवा अन्य प्रलोभन के लिये धन उधार देते है तो याद रखिये कि आपके किसी गैरकानूनी लेनदेन के लिये आपकी मदद तो क्या होगी उल्टे आप किसी अनचाही विपत्ति के शिकार हो सकते हैं। किसी प्रकार का व्यापारिक लेनदेन कानूनी औपचारिकताओं में किसी प्रकार की लापरवाही की छूट नही देता। यही कारण है कि कानूनी औपचारिकताओं में कमी होने पर बैंकों के बड़े बड़े कर्ज़ की वसूली भी खतरे में पड़ जाती है। जहां तक संभव हो उधारी का लेनदेन नकद में न करें। लेनदेन की शर्तों को लिखित रूप से कानूनी रूप दें।हम जानते हैं कि उधार लेनेवाला उधार लेते समय देनेवाले की तमाम कमजोरियों, लालच अथवा भावनाओ का लाभ उठाने के लिए अनुकूल परिस्थिति पैदा कर देता है लेकिन भावनाओ में बहना ही धोखा खाने की प्रबल संभावनाएं उत्पन्न करता है।

सारांश यही है कि यदि किसी की मदद करने का उद्देश्य हो तो बेहतर है अपनी क्षमतानुसार दान समझकर मदद दे दे किंतु यदि वापसी की चाह रखते है तो कृपया कानूनी औपचारिकताओं को निसंकोच पूरा करें तभी पुलिस अथवा कानून आपकी कुछ मदद कर सकेगा। बिना आवश्यक सबूतों और दस्तावेजों के पुलिस से किसी मदद की उम्मीद न करें और न ही किसी अनैतिक दबाव के प्रयास पर भरोसा करें। ऐसा करना गुंडे बदमाशों का कार्य है जो आपको किसी विपत्ति में डाल सकता है।झूठे फरेबी , लालच देकर इन्वेस्ट कराने वाले लोगों से बचे। अपने धन का कानून सम्मत प्रबंधन सीखे और करें।कहते हैं ना लालच बुरी बलाय। लालच करेंगे तो कहीं न कही पछताना ही पड़ेगा और उपकार करना है तो पश्चाताप कैसा। खुद में स्पष्ट और ईमानदार रहिए ,आपको कष्ट के अवसर न्यूनतम हो जाएंगे।

पर्यटकों के साथ मित्र पुलिस की तरह और हुड़दंगियों पर करें कड़ी कार्यवाही : डीजीपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 दिसंबर , उत्तराखंड के डीजीपी अशोक कुमार ने नववर्ष के दृष्टिगत जनपद देहरादून, पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल, नैनीताल के अधिकारियों के साथ यातायात व्यवस्था के सम्बन्ध में वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि नववर्ष के जश्न के लिए प्रदेश के सभी पर्यटक स्थलों में आने लगे हैं। पर्यटकों के साथ मित्र पुलिस की तरह व्यवहार करें। पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों की सुविधा के अनुसार ट्रैफिक प्लान बनाए जाएं। भीड़ को देखते हुए पहले ही अतिरिक्त पार्किंग स्थलों, रूट डायवर्जन आदि की तैयारी कर लें और आम जन को इसकी समय से सूचना दें ताकि यातायात व्यवस्था बनी रहे और जनता को असुविधा न हो।

डीजीपी अशोक कुमार ने बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर विचार-विमर्श करते हुए कई निर्देश दिए हैं।

1. यातायात प्रबन्धन हेतु देहरादून, हरिद्वार से ऋषिकेश एवं मसूरी में अतिरिक्त यातायात कर्मी एवं हॉक मोबाइल तैनात किये जाएं।2. होटल बुकिंग वाले पर्यटकों को ही नैनीताल एवं मसूरी की ओर जाने दिया जाए।3. जनपद पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल एवं देहरादून आपसी समन्वय से डायवर्जन प्लान तैयार करें।4. यातायात व्यवस्था को लेकर जारी यातायात प्लान की जानकारी आम जन को समय से दे दी जाए। यातायात प्लान का मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाए।5. यातायात व्यवस्था हेतु घुड़सवार पुलिस, सीपीयू यूनिट, क्रेन यूनिट का भी उपयोग किया जाए।6. जाम की समस्या से निपटने के लिए डायवर्जन एवं वन-वे प्लान तैयार कर लें।7. नो-पार्किंग में खड़े वाहनों पर टोइंग और क्लैंपिंग की कार्यवाही की जाए।8. जश्न के नाम पर हुड़दंग करने वालों, ओवर स्पीड एवं नशे की हालत में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए।9. अपने क्षेत्र की सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था की जिम्मेदारी सम्बन्धित थाना/चौकी प्रभारी की भी होगी।बैठक में पुलिस उपमहानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र, करन सिंह नगन्याल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, देहरादून- दलीप सिंह कुँवर, सेनानायक एसडीआरएफ- मणीकान्त मिश्रा, पुलिस अधीक्षक, यातायात- अक्षय कोंडे, पुलिस अधीक्षक नगर- सरीता डोभाल सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

हरिद्वार एसएसपी अजय सिंह की शार्प टीम ने किया 'भर्ती सेंटर का भंडाफोड़'

फर्जी ज्वाइनिंग लेटर जारी करने का चल रहा था गोरखधंधा

- एसएसपी की बेहतरीन कार्यशैली से शातिर अपराधी लगातार हो रहे हैं चारों खाने चित्त
- लक्सर के ग्राम टीकमपुर में चलाया जा रहे फर्जी भर्ती सेंटर में सक्रिय गैंग के 04 सदस्य दबोचे
- फिल्म ₹स्पेशल 26₹ की तर्ज पर हरिद्वार के नामी होटलों में लिया जाता था बेरोजगार युवकों का इंटरव्यू
- सरकारी नौकरी का लालच देकर बेरोजगारों को बांटे जाते थे आयोग के फर्जी नियुक्ति प्रमाण पत्र

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हाई लेबल इम्पैक्ट के लिए आर्मी ड्रैस में ऑफिस में रखे थे दो गार्ड, इंटरव्यू पीरियड में भी रहते थे मौजूद ताकी शक की गुंजाइश न रहेघटना में प्रयुक्त बोलेरो, क्विड, सेंट्रो कार, लगभग 1 दर्जन से अधिक चेक बुक, पासबुक, फर्जी नियुक्ति प्रमाण पत्र, विभिन्न विभागों की फर्जी मोहरें, गार्डों द्वारा पहनी गयी आर्मी की वर्दी व पुलिस की जैकेट आदि बरामद

जाने क्या है घटना

हरिद्वार के देहात (लक्सर) क्षेत्र में सक्रिय गैंग द्वारा कई बेरोजगारों को विभिन्न सरकारी विभागों में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की रकम ऐंठकर शहर के नामी होटलों में फर्जी तरीके से इंटरव्यू लेकर लोक सेवा आयोग तथा UKSSSC (अधीनस्थ सेवा चयन आयोग) के फर्जी नियुक्ति पत्र दिए जा रहे थे।

कैसे देते थे घटना को अंजाम

ये गिरोह विभिन्न विभागों में 10 प्रतिशत विभागीय कोटा बताकर बेरोजगारों को नौकरी का झूठा लालच देता था और फिर प्रत्येक से पाँच से दस लाख रूपये लेकर नौकरी दिलाने के नाम पर फर्जीवाड़ा करते थे।कोई शक न करे इसलिए पहले नामी होटलों में बेरोजगारों को इंटरव्यू के नाम पर बुलाकर लाखों रुपयों की डिमांड की जाती थी। रकम मिलने पर लोक सेवा आयोग उत्तराखण्ड तथा UKSSSC (अधीनस्थ सेवा चयन आयोग) के तहत अन्य विभागों से सम्बन्धित नौकरियों के फर्जी नियुक्ति पत्र जारी किए जाते थे। जब इनके द्वारा फर्जी नियुक्ति पत्र देने पर बेरोजगारों द्वारा संबंधित विभाग में जाकर जानकारी करने पर वहां ऐसी कोई जॉब न होने की बात वापस इनसे कही जाती थी तब इनका कहना होता था कि इन 10% विभागीय कोटा कि कोई परीक्षा नहीं होती यह पद विभाग द्वारा अलग से भरे जाते हैं। जिस कारण बेरोजगारों में भ्रम की स्थिति बनी रहती थी और लोग आसानी से इनकी धोखाधड़ी का शिकार हो जाते थे। इसके साथ ही गिरोह ने अपना रौब दिखाने के लिये दो गार्ड 8000/-रू0 प्रतिमाह के वेतन पर रखे थे जिन्हें वह आर्मी की वर्दी पहनाकर अपने साथ जगह-जगह ले जाते थे ताकि किसी को कोई शक न हो।

हरिद्वार पुलिस की कार्यवाही

उक्त गिरोह के विरूद्ध जनपद हरिद्वार के विभिन्न थानों (रुड़की, बहादराबाद, मंगलौर, कलियर आदि) में मामला संज्ञान में आते ही धोखाधड़ी की गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।जनपद में बेरोज़गारों की भावनाओं से खेलकर जगह-जगह चल रहे इस बड़े खेल पर फोकस करते हुए एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह द्वारा एक ठोस रणनीति बना अधीनस्थों को निर्देशित किया गया। कोतवाली लक्सर समेत संयुक्त स्तर पर गठित पुलिस टीम ने लगातार एक्टिव रह कर सटीक सूचना के आधार पर एक महिला सहित कुल 04 अभियुक्तों को भारी मात्रा में अभ्यर्थियों के फर्जी नियुक्ति प्रमाण पत्र, फर्जी शैक्षिक अंकतालिकायें, इलैक्ट्रोनिक सामान, नकदी, विभिन्न विभागों के पदनाम की मोहरों, घटना में इस्तेमाल किए जाने वाले कई मोबाइल फोन, 1 दर्जन से अधिक पासबुक, चेक बुक, रौब गालिब करने के लिए गार्ड द्वारा पहनी गई फर्जी आर्मी एवं पुलिस की वर्दी इत्यादि के साथ दबोचा एवं अन्य फरार की तलाश जारी है।

गिरफ्तार अभियुक्त

1- विजय नोटियाल पुत्र मीर सिंह निवासी टिक्कमपुर लक्सर2- रेणू पुत्री मीर सिंह निवासी उपरोक्त 3- नितिन पुत्र चमन निवासी उपरोक्त 4- सिद्धार्थ पुत्र नवबहार निवासी धारीवाला, पथरी

फरार अभियुक्त

1- अजय नोटियाल पुत्र मीर सिंह निवासी टिक्कमपुर कोतवाली लक्सर

बरामदगी

1-लैपटॉप HP कम्पनी-012-प्रिन्टर, सी0पी0यू0-01-013-फर्जी नियुक्ति प्रमाण पत्र4-विभिन्न विभागों की मोहरें-095-भारी मात्रा में अभ्यर्थियों की शैक्षिक अंकतालिकायें6-एक दर्जन से अधिक चैक बुक, पास बुक 7-नकद-₹90000/-8-मोबाईल फोन-069-घटना में प्रयुक्त वाहन बोलेरो, क्विड, सेन्ट्रो10-गार्डों द्वारा पहनी गयी आर्मी की वर्दी व पुलिस की जैकेट

होटल, कैफे, फ़ूड फन, नए साल पर 72 घंटे तक उत्तराखंड खुला रहेगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 दिसम्बर , नए साल पर पहाड़ों में एक अलग ही नजारा दिखाई देता है। दिल्ली यूपी पंजाब हरियाणा सहित देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग मसूरी नैनीताल अल्मोड़ा और औली में नए साल का जश्न मनाने आते हैं। ऐसे में उत्तराखंड सरकार ने सब के लिए दरवाजे खोल दिए हैं और 2 फरवरी तक लगातार 24 घंटे उत्तराखंड के बाजार और होटल आपके लिए खुले रहेंगे। हां नियम और शर्तें भी लागू हैं , ताकि कोई अनहोनी ना हो और कानून को कोई सख्त कार्यवाही ना करनी पड़े। इसके लिए जरूरी है कि आप संयमित होकर नए साल का आनंद लेने के लिए पहाड़ों में आए , मसूरी में जाएं , नैनीताल जाए , लेकिन याद रहे मस्ती के इस धूम में कोई गलती ना हो जाए । उत्तराखंड की

धामी सरकार ने एक आदेश जारी करते हुए कहा है कि 30 दिसंबर से 2 जनवरी तक उत्तराखंड के होटल, खाने की दुकान सहित तमाम सूचीबद्ध संस्थान खुले रहेंगे ताकि देशभर से आने वाले सैलानियों को कोई भी दिक्कत ना होने पाए।

टीवी न्यूज़ वायरस और हिंदी दैनिक न्यूज़ वायरस देशभर से आने वाले सैलानियों से अपील करता है कि नए साल का जश्न आप पहाड़ों में जमकर बनाइए लेकिन सरकार के बनाए नियम और उत्तराखंड पुलिस के बताए गए सुरक्षा नियमों का पालन भी जरूर करिए। क्योंकि आपकी एक गलती आपकी इस यादगार ट्रिप का मजा खराब भी कर सकती है।

स्कूलों में छात्र-छात्राओं और शिक्षक-कर्मचारियों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 दिसंबर उत्तराखंड के सरकारी स्कूलों में छात्र-छात्राओं और शिक्षक-कर्मचारियों को मास्क पहनकर आना अनिवार्य होगा। ये आदेश मुख्य शिक्षा अधिकारी डॉ. मुकुल कुमार सती ने देहरादून जिले के सभी सरकारी, निजी और अशासकीय स्कूलों के प्रधानाचार्यों को जारी किया है।साथ ही महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा के साथ-साथ देहरादून के जिलाधिकारी, सीएमओ और सभी खंड शिक्षा अधिकारियों व मंडलीय अपर निदेशक को भी इस संबंध में कार्यवाही के लिए पत्र भेजा है। स्कूलों के प्रधानाचार्यों को भेजे गए पत्र में मुख्य शिक्षा अधिकारी ने कहा है कि कोरोना संक्रमण से बचाव और रोकथाम के लिए स्कूलों में थर्मल स्कैनिंग और सैनिटाइजर की व्यवस्था की जाए। साथ ही स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं।कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए केंद्र और राज्य सरकार की ओर से जारी एसओपी का पालन हर हाल में सुनिश्चित कराया जाए। पत्र में उन्होंने केंद्र सरकार और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पत्र का हवाला दिया है जिसमें सर्दी बढ़ने के साथ देश में कोरोना संक्रमण बढ़ने की आशंका जताई गई है।

संपादकीय

दवा उद्योग की प्रगति

बड़े घरेलू बाजार में आपूर्ति के साथ भारतीय दवा उद्योग वैश्विक बाजार में भी बहुत अधिक योगदान देता है. जेनेरिक दवाओं की अफ्रीका की कुल मांग का 50 प्रतिशत और अमेरिका की मांग का 40 प्रतिशत तथा ब्रिटेन की कुल दवा मांग का 25 प्रतिशत हिस्सा भारत से ही जाता है. साथ ही, कई देश भारत से दवाओं का आयात करते हैं. दुनिया की 60 फीसदी वैक्सीन का उत्पादन भी हमारे यहां ही होता है. इसके अलावा विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनिवार्य टीकाकरण योजनाओं के लिए 70 प्रतिशत टीकों की आपूर्ति भारतीय निर्माता करते हैं. इसीलिए भारत को दुनिया का दवाखाना कहा जाता है. सस्ती कीमत और उच्च गुणवत्ता के कारण भारतीय दवाओं पर भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है. दुनिया के 78 देशों से लगभग 20 लाख लोग हर साल उपचार के लिए भारत आते हैं. हमारे चिकित्सा पर्यटन का बाजार नौ अरब डॉलर हो चुका है. वैश्विक मेडिकल टूरिज्म सूचकांक में भारत वर्तमान में दसवें स्थान पर है. इस वर्ष अनेक भू-राजनीतिक कारणों से विभिन्न वस्तुओं की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित रही, लेकिन भारत ने अपनी आपूर्ति प्रतिबद्धताओं को अच्छी तरह से निभाते हुए दवाओं का निर्यात बरकरार रखा. इससे हमारे उद्योग पर दुनिया का भरोसा बढ़ा है. जानकारों का मत है कि 2030 तक भारतीय दवा उद्योग 130 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच जायेगा. इस वर्ष भारतीय दवा बाजार की वृद्धि दर 12.5 प्रतिशत रही है. इस निरंतर वृद्धि का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि अगले साल वैश्विक दवा बाजार के एक लाख करोड़ डॉलर पार कर जाने के आसार हैं. हमारी कंपनियां ऐसी विशेष दवाओं के विकास एवं निर्माण के लिए भी प्रयासरत हैं, जिन्हें अभी नहीं बनाया जा सका है, पर उनकी आवश्यकता है. ऐसी दवाओं को जल्दी रोगियों तक पहुंचाने की कोशिशें भी हो रही हैं. उल्लेखनीय है कि कोविड महामारी के संक्रमण को रोकने के लिए टीके बनाने के लिए चीन समेत कई देश लगे हुए थे तथा उनके टीकों को भारतीय टीकों से बहुत पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्वीकृति भी मिल गयी थी, परंतु हमारी कंपनियों ने न केवल बहुत बड़े घरेलू बाजार को समुचित मात्रा में टीकों की खुराक मुहैया करायी, बल्कि कई देशों को टीकों का निर्यात भी किया गया. व्यापक पैमाने पर वैक्सीन बनाने के अनुभवों का लाभ भी मिला. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसे बहुत देशों को टीकों की खुराक मुफ्त में भी उपलब्ध कराया था, जो या तो उन्हें तुरंत खरीद नहीं सकते थे या अन्य देश उन्हें सहयोग नहीं कर रहे थे. आशा है कि जी-20 अध्यक्षता की अवधि में दवा उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा और इसका बाजार बढ़ेगा.

सूचना प्रौद्योगिक विकास एजेंसी अंतर जिला ड्रोन प्रतियोगिता हुई शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ड्रोन एप्लीकेशन एंड रिसर्च सेंटर, ITDA द्वारा 29 दिसंबर 2022 को पहली अंतर जिला ड्रोन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया .ड्रोन प्रतियोगिता में यूकेस्वान, ई-डिसर्ट्रिक्ट, पुलिस टेलीकॉम, आईटीडीए कैल्क आदि जैसे विभिन्न सरकारी विभागों से संबंधित उत्तराखंड के 13 जिलों के प्रतिभागी शामिल थे।

दो दिवसीय प्रतियोगिता का उद्घाटन अमित कुमार सिन्हा, आईपीएस, निदेशक आईटीडीए ने किया। कार्यक्रम में बोलते हुए आईटीडीए के निदेशक ने प्रतिभागियों को पूरे उत्साह के साथ भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उत्तराखंड को ड्रोन राज्य के रूप में विकसित करने के लिए उत्तराखंड के प्रत्येक जिले में 13 ड्रोन स्कूल खोलने के अपने विचार साझा किए। प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए ड्रोन प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकते हैं। प्रतिभागियों ने ITDA के अधिकारियों के साथ ड्रोन क्षेत्र में अपने अनुभव पर भी चर्चा की और अपने विचार साझा किए कि कैसे ड्रोन तकनीक उनके संबंधित क्षेत्र के संचालन में गेम चेंजर हो सकती है। गिरीश चंद्र गुणवंत अपर निदेशक आईटीडीए, यू.सी. जोशी, एसपी, पुलिस टेलीकॉम,आईटीडीए के अन्य अधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और प्रतिभागियों को पूरे उत्साह के साथ भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

आप भी कीजिये गर्म कपड़ों का दान डीएम सोनिका की मानवीय अपील

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 दिसंबर , प्रदेश में बढ़ते शीतलहर के दृष्टिगत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी सोनिका ने जनपद के समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार एवं रेखीय विभाग के अधिकारियों को कड़ी निर्देश दिये कि जनपद के समस्त क्षेत्रों में शीतलहर बढ़ रही हैं। सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में निर्धन असहाय एवं जरूरत मंद लोगों को गर्म कपड़ा, कंबल इत्यादि वितरण करना सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने संबंधित सभी अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि चौराहों, सार्वजनिक एवं प्रमुख स्थानों पर अलाव की समुचित व्यवस्था करना सुनिश्चित करेंगे, ताकि ठंड से लोगों को राहत मिल सकें। साथ ही सभी उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार को अपने-अपने क्षेत्रों में कड़ी निगरानी बनाये रखने के निर्देश दिये। कहां की लोगों को ठंड/ शीतलहर

से बचाव के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना हो, इस कार्य को गंभीरता से लेना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही जिलाधिकारी ने लोगों से कहा कि कोई भी व्यक्ति रात्रि में बाहर न रहे। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया, कि कोई व्यक्ति सड़क अथवा खुली स्थान पर है तो उनको रैन बसेरों में ठहराया जाए।जिलाधिकारी की पहल पर जिला प्रशासन द्वारा जरूरतमंद एवं निर्धन व्यक्तियों हेतु कपड़े एकत्रित किए जा रहें है। उन्होंने लोगों से अपील किया है कि जिनके पास अतिरिक्त गर्म कपड़े हैं तथा उनका उपयोग नहीं कर रहे है वह स्मार्ट सिटी की बस में रखे बॉक्स में कपड़े भेंट कर सकते हैं, यदि कोई टोल फ्री न0 पर 18001802525 पर काल कराता है, तो टीम घर पंहुचकर कपड़े एकत्रित करगी तथा कलैक्शन सेन्टर से जरूरतमंदो को कपड़े वितरित किए जां रहें है। इसके अतिरिक्त वात्सल्य डे केयर सेन्टर वीरांगना तीलू रौतेली, कामकाजी महिला छात्रावास इ0सी0 रोड, सर्वे चौक पर भी कपडे. भेंट किए जा सकते हैं।

उत्तराखंड के इन जिलों में बारिश-बर्फबारी का अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 दिसंबर, देहरादून में सुबह की शुरुआत घने कोहरे के साथ हुई। हरिद्वार, हल्द्वानी और ऊधमसिंह नगर भी कोहरे की चादर में लिपटे नजर आए। कोटद्वार में भी पिछले तीन दिन से घना कोहरा छाया है। ऊधमसिंह नगर में शीतलहर का प्रकोप बढ़ने लगा है। इसे देखते हुए डीएम ने चार दिन का अवकाश घोषित किया है।

31 दिसंबर तक पांचवी तक के बच्चों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। हालांकि शिक्षक और कर्मचारी स्कूलों में मौजूद रहेंगे। हरिद्वार में भी शीतलहर और मौसम विभाग की ओर से जारी ऑरेंज अलर्ट को देखते हुए जिले में कक्षा एक से 12वीं तक के सभी सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों, आंगनबाड़ी और मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों में 30 और 31 दिसंबर को अवकाश घोषित किया गया है।कड़ाके की ठंड के बीच मौसम विभाग ने चिंता बढ़ाने वाली सूचना दी है। मौसम विभाग के मुताबिक फिलहाल मौसम का मिजाज बदलने की उम्मीद नहीं है। अगले तीन दिन ऊंची चोटियों पर बर्फबारी होने के आसार है। जबकि, मैदानी क्षेत्रों में घना कोहरा छाये रहने के आसार हैं। ऊधमसिंह नगर और हरिद्वार में शीत लहर चलने के साथ ही शीत दिवस की स्थिति बनी रहेगी, इसे देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा 3 पहाड़ी जिले उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़ में बर्फबारी के आसार हैं।

इन जिलों में लोगों को सावधान रहने की जरूरत है। बीते दिन देहरादून में अधिकतम तापमान 24.4 और न्यूनतम तापमान 7.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। घने कोहरे की वजह से हादसे भी हो रहे हैं। विकासनगर में कोहरे के दौरान एक नील गाय की शक्ति नहर में गिरने से मौत हो गई। नीलगाय के शव को ढलीपुर पावर हाउस इंटेक्स से बाहर निकाला गया। नीलगाय के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव को नष्ट कर दिया गया है।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी

कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी

दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com

RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

परीक्षा पारदर्शी और नकलविहीन हो, जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने दिए सख्त निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 30 दिसम्बर , उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा 8 जनवरी को आयोजित होने वाली राजस्व उप निरीक्षक (पटवारी/लेखपाल) परीक्षा 2022 की लिखित परीक्षा को नलविहीन एवं पारदर्शिता से सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें। यह निर्देश जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में परीक्षा के सफल संचालन हेतु सेक्टर मजिस्ट्रेटों तथा प्रधानाचार्यो एवं पर्यवेक्षकों की बैठक लेते हुए दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा पारदर्शिता व निष्पक्षता से सम्पन्न होने पर योग्यतम व्यक्ति चयनित होंगे, जिससे शासकीय कार्यों का निर्वहन समयबद्धता, पारदर्शिता तथा सरलता से होगा। जिससे जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम जनता को आसानी व शीघ्रता से प्राप्त होगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में आयोजित होने वाली राजस्व उप निरीक्षक (पटवारी/लेखपाल) परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने के लिए ड्यूटी पर तैनात सैक्टर मजिस्ट्रेट, अधिकारी व कर्मचारी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर्तव्यनिष्ठा से करना सुनिश्चित करें। उन्होने स्पष्ठ निर्देश देते हुये कहा कि परीक्षा पारदर्शी तरीके से सफलतापूर्वक समापन हो, किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी कहा कि परीक्षा दिवस पर परीक्षा केन्द्रों के आस-पास धारा-144 लागू की जायेगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा की ड्यूटी बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है, जिसका निर्वहन बड़ी जिम्मेदारी से करना है। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा निर्धारित समय के अनुरूप ही अभ्यर्थियों का परीक्षा केंद्र में प्रवेश होना चाहिए। निर्धारित समय के बाद कोई भी अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं करेगा। इसी प्रकार से ड्यूटी देने वाले हर अधिकारी व कर्मचारी के परिचय पत्र जारी किये जा रहे हैं, बिना परिचय पत्र के परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं होगा। उन्होंने निर्देशित करते हए कहा कि परीक्षा सम्पन्न कराने हुए लगे कर्मिकों की सूची पुलिस विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाये।

जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि परीक्षा केंद्र में पेपर वीडियोग्राफी के तहत खोले जाएं। उन्होंने निर्देश दिये कि परीक्षा का आयोजन जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार ही करवाया जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित करें कि किसी भी कर्मचारी के पास मोबाइल न हो। परीक्षा केंद्रों के आसपास कोई फोटो स्टेट की दुकान खुली न रहें। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी देने वाले अधिकारी व कर्मचारी अपने साथ आईडी कार्ड जरूर लायें। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर बिजली, पानी, शौचालय जैसी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हों। जिलाधिकारी ने कहा कि अभ्यर्थियों को मोबाइल फोन तथा ब्लूटूथ डिवाइस, घडी या किसी भी अन्य प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल गैजेट परीक्षा केन्द्र पर लाने की अनुमति नहीं है। परीक्षा केन्द्र के बाहर इस सम्बन्ध में बड़े अक्षरों में नोटिस लगाकर यह स्पष्ट कर दिया जाये कि आयोग के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए पाये जाने पर सम्बन्धित परीक्षार्थियों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। उन्होंने निर्देश दिये कि कक्ष निरीक्षक व परीक्षा से सम्बद्ध स्टाफ मोबाइल फोन को परीक्षा कक्ष में न ले जाने पायें तथा मोबाइल फोन को परीक्षा कक्ष से दूर निर्धारित स्थान पर जमा कर दिया जाय। उन्होंने निर्देश दिये कि परीक्षा कार्य में संलग्न कर्मचारियों तथा अधिकारियों के अतिरिक्त किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को परीक्षा केन्द्र परिसर में प्रवेश न करने दिया जाय।

परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा हेतु पर्याप्त पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रधानाचार्य एवं केन्द्र पर्यवेक्षक आयोग द्वारा प्रदत्त निर्देशों के क्रम में प्रश्नपुस्तिकाओं के गोपनीय सील्ड पैकेट खोले जाने, किसी महत्वपूर्ण गतिविधि तथा उत्तर-पुस्तिकाओं के गोपनीय पैकेट सील कराये जाने की प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराना सुनिश्चित करें।उन्होंने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से प्रत्येक प्रश्न पुस्तिका को पॉली पैक्ड सील्ड किया गया है तथा प्रश्न पुस्तिका पर पेपर सील भी लगायी गयी है। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रधानाचार्य एवं केन्द्र पर्यवेक्षक परीक्षा तिथि हेतु 03 सदस्यीय उड़नदस्ता का गठन कर लें, जिसमें न्यूनतम एक महिला शिक्षक अथवा अधिकारी को आवश्यक रूप से सम्मिलित किया जाये। परीक्षा केन्द्रो पर जगह-जगह साईन बोर्ड लगाये जायें कि कौन सा कक्ष किस दिशा में स्थित है।

पुष्कर सिंह धामी पारदर्शी और दूरदर्शी मुख्यमंत्री : आर. ए. खान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आशीष तिवारी के साथ खान सर एक्सक्लूसिव

कभी उत्तराखंड कांग्रेस के बेहद ख़ास रणनीतिकार रहे और मशहूर शिक्षाविद खान सर अब बेहद सधे अंदाज़ में भाजपा सरकार के युवा मुख्यमंत्री धामी से प्रभावित दिखाई दे रहे हैं। उनका कहना है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ साथ युवाओं के लिए मुख्यमंत्री धामी का विजन पारदर्शी और ईमानदारी भरा नज़र आता है। राज्य के विकास का विजन हासिल करने के लिए सीएम धामी को उन्होंने कुछ सुझाव और अपने अनुभव के आधार पर उत्तराखंड की बुनियादी समस्याओं पर कई बड़ी बातें कार्यकारी संपादक आशीष तिवारी के साथ ख़ास बातचीत में साझा की है। आइये जानते हैं प्रयाग आईएएस अकादमी के खान सर की नज़र में उत्तराखंड सरकार का कामकाज कितना प्रभावी रहा है और शिक्षा के क्षेत्र में कैसा है धामी सरकार का विजन 2025

सवाल - मुख्यमंत्री धामी के विजन 2025 में शिक्षा में किस तरह के सुधार की ज़रूरत है ?

आर. ए. खान - उत्तराखंड का शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे राज्यों में इसका शुमार होता है। लेकिन जो मूल समस्या है वो है वहां के संरचनात्मक ढांचे में बड़े सुधार की , जब 2000 में राज्य बना तबसे ये समस्या बनी हुई है हमें सबसे पहले इसमें सुधार करना होगा। उसके बाद जो यहां के स्टूडेंट्स हैं उन परसंस्कृति का बड़ा प्रभाव पड़ता है। पहाड़ के बच्चे बहुत मुखर नहीं होते जब यह बाहर निकलता है तो ये अपनी जिगया को प्रकट नहीं कर पाते हैं। कहीं ना कहीं मनोवैज्ञानिक स्टैंड से उसमें वह दब कर रह जाता है। तीसरी चीज यह है संरचनात्मक ढांचे में कैसे सुधार हो ? आप देखेंगे कि जौनसार में पलायन की कम है। बाकी कुमाऊं गढ़वाल दोनों पलायन से प्रभावित है। इसका असर यह होता है क्योंकि वहां शिक्षा का स्तर बहुत कम है। शैक्षिक ढांचा कमजोर है संरचना कमजोर है। शिक्षा का अभाव है , बिल्डिंग का अभाव है , टीचर का अभाव है। तो ऐसे में वहां से लोगों को बाहर निकलना पड़ता है। तो यहां करने की क्या जरूरत है, कि हमको यहां एक पूल फैक्टर बनाना चाहिए। मेरा सुझाव है कि धामी सरकार ऐसा शिक्षा का ढांचा खड़ा करे जिससे कि लोग बाहर जाने की बजाए वहीं पर आकर्षित हो। क्योंकि बाहर जाना पहाड़ में आज हर फैमिली के बस की बात नहीं है। ये हर किसी के लिए संभव नहीं है क्योंकि घर से बाहर निकलना बहुत महंगा होता है। जबकि उनकी आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं कि देहरादून , हरिद्वार , रुद्रपुर और दिल्ली जैसे बड़े मंहगे शहरों में पढ़ने भेज सकें।

सवाल - आज भी शिक्षा के लिये पहाड़ों से पलायन क्यों होता है ?

आर. ए. खान - अर्थव्यवस्था और शिक्षा एक दूसरे के पूरक हैं। हम तब तक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं बना पाएंगे जब तक शिक्षा का स्तर न बढ़ाया जायेगा। शिक्षा में एक और सुधार की जरूरत है और वो ये है कि केवल क्वालिटी शिक्षा की जरूरत नहीं है बल्कि गुणात्मक शिक्षा की भी जरूरत है। गुणात्मक शिक्षा के अभाव में प्रतियोगी परीक्षाओं में उतना आगे नहीं बढ़ पाते जितने इन से अपेक्षा की जाती है। जितना यह पढ़ सकते हैं। और जो टीचर भी है उनकी औपचारिक रूप से प्रभावी ट्रेनिंग नहीं होती है। स्कूलों में स्टूडेंट्स का ड्रॉप आउट भी इसी वजह से होता है। आर्थिक रूप से उनका परिवार इतना आत्मनिर्भर नहीं होता कि अपने बच्चों की आगे शिक्षा बढ़ा सकें। ड्रॉप आउट पर सरकार और एनजीओ को आगे आना होगा। हर मां का सपना होता है कि हमारे बच्चे बड़े और लिखें और बहुत आगे बढ़े। लेकिन अभाव के कारण उनके सपने टूट जाते हैं । सबसे बड़ा अभाव व्यवस्था के कारण अपने बच्चों को वह शिक्षा नहीं दे पाते जो उनके लिए एक सपना होता है। बड़ी शिक्षा देना ऊंची शिक्षा देना प्रतियोगी परीक्षाओं को बीट करना । उनके लिए एक सपना बनकर रह जाता है । और सरकार ने प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ओबीसी कोचिंग भी चलाई थी। लेकिन आपको जानकर आश्चर्य होगा ओबीसी के लिए जो कोचिंग चल रही थी वह 2007 - 2008 से बंद कर दी गई थी। आज इसके लिए संस्थापक संरचनात्मक और ढांचागत प्रयास करना आवश्यक है।

सवाल - UKSSSC मामले में सीएम धामी की भूमिका को आप कैसे देखते हैं ?

आर. ए. खान - निश्चित रूप से जो UKSSSC का मामला है. इससे बच्चों के मनोबल का काफी असर पड़ा है। इसलिए पड़ा क्योंकि उनको लगा कि हम इतनी मेहनत करने के बाद भी भ्रष्टाचार का शिकार हो रहे हैं। इसलिए उनका विश्वास और मनोबल दोनों टूटा , लेकिन युवा धामी सरकार ने इसमें अच्छी तत्परता दिखाई और शानदार कार्यवाही करते हुए युवाओं के खोये भरोसे को जीता है। सरकार ने वादा किया है कि कि हम समय से नियुक्ति भी देंगे और सबसे बड़ी बात है कि सरकार कहीं ना कहीं कॉन्फिडेंस बिल्डिंग बनाने में सफल रही है। हालांकि इसमें अभी बहुत काम करने की जरूरत है,शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री धामी का विजन काफी उम्मीद जगाता है। शिक्षा मंत्री को मेरा सुझाव तो अलग बात है लेकिन शिक्षा सचिव को मेरा सुझाव जरूर होगा उनको शिक्षा के प्रति संवेदनशील होना पड़ेगा। ब्यूरोक्रेसी को शिक्षा को लेकर संवेदनशील होना पड़ेगा। सभी वर्गों को शिक्षा पहुंचे , सामान्य रूप से शिक्षा पहुंचे , गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचे सभी वर्ग और समाज तक शिक्षा पहुंचे ये सोच बढ़ानी होगी।

सवाल - धामी सरकार में अल्पसंख्यकों के हालात में आपको क्या सुधार दिखाई दे रहा है ?

आर. ए. खान - देखिये साफ़ और सच कहूं तो बिना किसी लाग लपेट के ये मनाता हूँ कि जो भी शिक्षा के क्षेत्र में सरकार द्वारा कदम उठाए गए हैं इसका लाभ अल्पसंख्यकों को भी मिल रहा है। लेकिन यह जो अल्पसंख्यक विभाग है जिसकी जिम्मेदारी अल्पसंख्यक का अविश्वास और कॉन्फिडेंस जीतना होना चाहिये। मदरसा बोर्ड की स्थापना हुई अल्पसंख्यक योजनाएं भी बनाई गई है। बोर्ड का गठन किया गया , लेकिन जो मदरसों को अभी तक मान्यता नहीं मिली है यह बहुत बड़ा विषय है। आप देख रहे होगे की जितने भी मदरसे आज मदरसा बोर्ड के अधीन है उनकी संख्या कम और ड्राप आउट बढ़ता जा रहा है। अभी पिछले दिनों फॉर्म भरे जा रहे थे उनमें आधे ही फॉर्म रह गए है तो हमारा सुझाव है कि धामी जी को और अल्पसंख्यक मंत्री को इस समस्या के प्रति गंभीरता से सोचना होगा और ज़मीन पर माइनोरिटी कम्युनिटी को लाभ पहुंचे , ये प्रयास करना होगा।

सवाल - राज्य बनते ही युवाओं को अफसर बनाने के लिए प्रयाग आईएएस अकादमी बनाई , 22 साल में कितने कामयाब हुए हैं ?

आर. ए. खान - पिछले 22 साल का सफर एक लंबा सफर है। जब हमारा ये खूबसूरत उत्तराखंड राज्य बना था तो यहां संभावनाएं भी थी और आवश्यकताएं भी थी। उन्हीं को देखते प्रयाग आईएएस की स्थापना की गई और सैकड़ों हजारों बच्चे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवा प्रदान कर रहे हैं। आज देश और प्रदेश में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। लेकिन समस्या यहाँ आई है जब पिछले 20 साल में 5 बार कुल वैकेंसी आई। कुल 4 बार समीक्षा अधिकारी की लोअर पीसीएस की चार से पांच बार वैकेंसी आई। चार चार साल और 5 साल के बीच का जो गैप रहा इससे बच्चों का जो लगाव है , मनोबल है वो सरकारी नौकरी के प्रति कम हुआ। मनोबल भी उनका डांवाडोल हुआ है। लेकिन अब नया साल आ गया है , धामी जी से नयी उम्मीद है , युवा और हम सब 2023 को हम बहुत सकारात्मक और आशावादी उम्मीदों से देख रहे हैं। क्योंकि पुष्कर सिंह धामी सरकार बीते कई सरकारों के बाद अब विकास और तरक्की के लिए तत्पर और जागरूक और ऊर्जावान दिखाई दे रही है। अगर ऐसे ही सकारात्मक सोच के साथ सरकार आगे बढ़ती है तो 2023 में उत्तराखंड के लाखों युवाओं के लिए उम्मीद की अनेक राहे खुल सकेंगी। शिक्षाविद और सामाजिक चिंतकों की तरफ से देश प्रदेश और ऊर्जावान मुख्यमंत्री सरकार को नए साल की बहुत बहुत बधाइयाँ और शुभकामनाएं।